तुबारि

www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

Issue - 092,
Jan. 2020

नयी साले तुसी सोबी जेई बधे। जुग जुग जीओ लौते तुस सोब। इस साले पेहली तुबारी संस्करण तुसी हरालण जे अस सुआ खुश असे। छने पढ़ुण जे एन्हि कथाई त कविताई पुठ चिकिण दिए। वापिस इस पन्ने पुठ एण जे पन्ने पड़्डे दुतो विषय सूची पुठ चिकिण दिए। धन्यवाद

विषय सूची

1	यक अनपढ़ ईए...कोड़ु सचु	2
2	फली के राजा	3
3	साथी असर	4
4	उजबाण	6
4	पढ़ाई कतो असी जरुरी?	7
5	भाग्यवान मेह्णु	10

यक अनपढ़ ईए...कोड़ु सचु

में ई आज बी अनपढ़ असी। अउं तेस कियां यक रोटि मगता, त से मेधे दुई देंती। यक ई सोबी के जगा नी सकती, पर ईए जगा इस दुनिये अन्तर कोई न नी सकता। से अपु गभुरु खुश करण जे कुछ बि कड़ सकती। कुआ यक रोठि मेगिएल त ई दुई अणि देन्ती। पर सालो साल हेरीयेल त, ना त तेस बुढ़ी मुँहु बठ ना थाकोट बिझींती, न त तेसे प्रेम घटता। ई यक ई मुलाजम असी जे पुरी साल अन्तर बजन छुट्टी कम त बजन मेजुरी कम कती। तोउं बि तेस कोई फर्क ना पड़ता। तें मठड़यारी रोज जेखेईं ई असी डराई कड़ खांजे खिलान्थत, से रोज आज बी याद एन्ते। तोउं त बोते कि दोस्तो ईए दिल दुखी न करे, किस कि ईए तेस प्रेम सोब जेई जाणते। अस जिन्देगी कयां कतने अगर नश गओ असे त असी केतने होरे रिश्ते त होरे मित्र बणाई छओ असे। असी केंई तेस ईए हाल पुछुण जे त फोन करण जे बी टेम नेई। अस तेस ईया बिश्री घेंते, जेन अस नऊ मेहन अपु पेठ अन्तर रखो थिए।

पर जिन्दगी अन्तर यक बोक याद एन्ती कि सोब जेई बिश्री घेतें, पर से ई असी कदी ना बिसरती। से हमेशा तुं भलाई चहांती। जिखेईं अस मठड़ भुंतेथ त असी कोठी लगो भुतिथ त ई हें तेस जगाही फुक दी दी कड़ मशोरतीथ। हें उम्र मोजी कने कती बी भोल। जिखेईं असी बोलुण न एन्तुथ त हें ईया हें से सोब बोक जे केसे न समझीणी एन्तीथ। सोबी कियां पेहला जे अखर हें मुहु कियां निसता से ई भुन्ता। पर आज अस

हर यक बोक बठ तेस जे बोते कि ईया ई बोक तोउ न एन्ती समझ। अपु गभुरू के हर यक बोक पुरी करण जे ई कुछ बि करण जे तेयार भोई घेन्ती।

विषय सूची

धाणि त तसे जुएली केआं अब सते बंटी अठ फेरे लवाण चाहिए। सत फेरे तेन्के व्याहे, अठुं जे फेरा असा, से कुई जे लवाण चहिए कि से कुई बचान्ते त तेस पढ़ान्ते ।

फली के राजा

अउं भुओ फली के राजा

सोबी केआं मठा त रसदार।

सोबी केआं जदा में किसम,

अब्बल अब्बल त रंगदार।

कच्चा असा त खट्टा असा अउं

पक्का असा त मठा असा अउं।

खाणे बाड़ा कच्चा खा

कच्चा खा पक्का खा।

यक लिंगि खाण केआं पता

खांता घेन्ता, खांता घेन्ता।

'आम के आम, गवली के बि दाम।'

मोउं पुठ बणो उजवाण असा।

जे मोउं ना खांता

से मठास ना जाणता।

विषय सूची

साथी असर

यक राजकुमार थिआ। से यक रोज अपु सथी जुओई जंगल शकार खेलण जे गा। झवेदिण लगो थिउ। शकार तोपण जे दन भई भटकी भटकी कइ राजकुमार त तेसे साथी थकी गो थिए। पर यक बि शकार नेओथ हतिए। से थकी कइ वापस घेणे बाड़े थिए कि राजकुमारे नजर यक कर्थ पुठ गई। तेस टेम गोवाण ठीक न लगु त तिखेईए अपु घोड़ा तेसे पतुं दौड़ाई छड़ा। घणे जंगल अन्तर दोड़ते दोड़ते राजकुमार अपु साथी केआं बिछ़ड़ गा। लम्मे लम्मे टाउ देण लगो कर्थ बि जंगले यक ग्राँ अन्तर नियोक गा।

से ग्राँ डाकु के थिउ। पेहलु गीहे बाहर यक कुकड़ियेलु थिउ। तेस अन्तर यक तोता खेलण लगो थिआ। जिहांणि तेन राजकुमार एन्ते काआ त से हुशेरि देण लगा "एईए, झठ करे। एस टाण दिए। एस केईं सुआ कीमती गेहणे असे। कीमती घोड़ा असा। सोब धेर लुठि छड़े । मारे एस, नशो न लोता ए।"

तोते बोक शुणि कइ राजकुमार चौकन्ना भोई गा। तेनि तेठि घोड़ा रोका त वापस मुड़ कइ घोड़ा दौड़ा। घोड़ा सुआ झट झट वापस दोड़ुण लगा। राजकुमार पता लग गो थिआ कि ए डाकु के ग्राँ भो। अगर धिक भई चेरे किउ त ए मारि छते। सच्चे ईं, झट झट सुआ डाकु बाहर एई गे। सुआ दूर तकर तेन्हि राजकुमारे पिछा किआ। पर राजकुमारे घोड़ा त ब्यारे ईं उडरो थिआ त तेन्हि राजकुमार न टाई बटा त से वापस घेई गे।

सुआ दूर एई कइ राजकुमार यक सुसुर जगा मेईं। ए केसे सधु आश्रम थिआ। तेसे दुआर अगर चेले हन्ठो थिए।

राजकुमारे नजर आश्रमे दुआर अगरि यक मठुड़ु बुटे पुठ गई। तेनि हेरु कि तेस बुटे डा जोई यक कुकड़ियेलु लटको असा। तेस अन्तर यक तोता शान्त बिशो असा। तोते हेर कइ राजकुमारे मन अन्तर शक भोई गा। तेस लगु कि ए बि सेधु बेश अन्तर डाकु त न भो? जिहांणि राजकुमारे अपु

घोड़ा मोड़ण ला, तोते जोरि जुओई बोलु, "सुस्वागत राजकुमारा! एईए अन्तर, आश्रम अन्तर तूं स्वागत असा।" रामकुमार तोते मुँह केआं ईं खरी बोक शुण कओ परशान रेहि गा। राजकुमार हेर कइ आश्रमे चेले बि एई गे। से राजकुमार आश्रम अन्तर घिन कइ तेसे सेवा करण लगे।

राजकुमार बिश कइ शान्त मन जोई किछ सोचुण लगो थिआ। विचारमग्न हेर कइ आश्रमे गुरुदेवे तेस केआं पुछु, "राजकुमारा, तुस अतो अशान्त त परशान किस असे? सुआ थकि गो असे न कि तुस? तूं समाणि फल त पोणि असु। एन्हि खाई पी कइ अपु ढुक टश मुकाण दिए। तूं अऱाम करणे इन्तिजाम कइ छो असी।" राजकुमारे पोणि ग्लास टाई कइ बोलु, "गुरुदेव, अउं त ढुके टशे बोलि अतो परेशान नेईं। अउं फरक हेर कइ सुआ परेशान असा।" "कोउं, कीं फरक राजकुमार? धिक खरु कइ बोले" मुनिदेवे बोलु। डाकु के ग्रांए तोते बारे शुणाई कइ राजकुमारे बोलु, "मुनिदेव, आश्रमे इस तोते अन्तर त तेस तोते अन्तर सुआ फरक असा। दुहिए यके जाति पेखुरु भो। पर दुहि के बोकी त सभाव अन्तर सुआ फरक असा, ए किस?"

मुनिदेवे हस कइ राजकुमारे बोकी जवाब दिता त बोलु, “राजकुमारा, डाकु के तेन तोते तेन्के बुच बिश कइ हमेशा मडीण कुटीण त लूटमार हेरो असी। तोउं त, तेनि मारे, मारे, लुटे एईएं बोके शिचो असी। पर आश्रमे तोता मुनि के बुच बिशो असा त एसे कन अन्तर हर टेम खरी खरी बोके घेन्ति। तोउं त ए गुणे बोके शिचता। ई शुण कइ राजकुमारे कुसंगे बुरी बोके त सतसंगे खरी बोके शिचि। तेस सुसुर समझ अऊ कि अखिर संगते असर की पड़तु।

उजबाण

लोडे चोट कड़ण:

बोक सोब कते पर यके जेईं अगर कढ़ते तु सोभी के लोडे चोटि असा।

थामे दवारे शच:

जे अपु ईए बाऊए न मनता त तेस सोभी कियां जुटया लगती इऐ लागती ए थामे दवारे हक शच।

फियुड़ ईं फूली, ढुबि ईं बसी:

तुसी हेर कइ सोब जे खुश भो लौते त तु बोके सोबी खरी लगो लौती।

पन्ज अंग पन्जहो बराबर ना भुन्ते:

यक घर अन्तर जतर बी महेणु भुन्ते सोब यके किस्मी न भुन्ते।

विषय सूची

पढ़ाई कती जरुरी असी?

सुआ दूर यक ग्राँ पढ़ेई मामले अन्तर सुआ बिछड़ गो थिउ। ग्राँए मेहणु पढ़ा जे यक रिटैर गुरुजीए तेठि स्कूल खोला। एस स्कूल ग्राँए धिक भई गभुरु पढुण जे एन्तेथ। सुआ ई बोउ अपु गभुरु ढेढुड़ु बकरी चारण जे जंगल लंघान्तेथ। गुरुजी खरा मेहणु थिआ। तेनि स्कूल सद कमेई जे नेओथ खोलो। तेस अन्तर खरे गुरुजीए सोब गुण थिए। तेस जिखेईं बि टेम मेताथ से ग्राँ पढ़ा जे नशि घेन्ताथ। गुरुजी सोचताथ कि पूरा खेरागढ़ ग्राँ पढ़ो लोतु।

तोउं यक रोज पता चला कि भोलु जिम्मदारी पढ़ेई केआं दूर करण लगो थिआ। से जिम्मदारी जे बोताथ कि पढ़ी कइ की कते? तुसी को से नौखरी करीण असी। अस सारा दन मेहनत कते, तेस केआं पता जे टेम बचता से हें बोके करणे टेम भो। तेस बझई जुओई गुरुजीए स्कूले टेम राति रखो थिआ, ताकि जिम्मदारी पढ़ने मौका मेइयेल। गुरुजीए बोलणे बेलिए 8-10 जिम्मदार एण त लगे पता मठे मठे घठ बि भुण लगे। सोब जिम्मदार भोलु बोकी अन्तर एई गे त तेनि स्कूल घेण बन कइ छउ। होर पेहलकण ईं लाहड़ कीठि कइ गप्पे मारण लग गे। तेसे टेम गुरुजी केसे कम जे ग्राँ केआं बाहर घेण अउ। तोउं यक रोज भोलु गी जे यक चिट्ठि आई। पढुण त तेस एन्तुथ नउं। से तिखेईंए केसे चिट्ठि पढ़ने बाड़े तोपण लगा। पर तेस ईं मेहणु न मेआ।

किछ जिम्मदार जे थोड़े रोज स्कूल गो थिए तेन्हि केआं सद अतो पता लगा कि से चिट्ठि तेसे भाई भो, जे ग्राँ केआं बाहर भुन्ताथ। भोलु परशान भोई गो थिआ। एथ किछ भोई त नेईं गो। बगैर किछ सोचणे से शहर जे नशि गा। तेठि पुजा त द्वार पुठ मुनुण लगो थिउ। तसे दिल अब सुआ जोरी जोरी धड़कण लगो थिआ। जिखेईं तेन मकान मालिक केआं अपु भाई बारे पुछु त तेनि बोलु कि केसे कमे बझई जुओई से होरे शहर गो असा। ईं शुणि कइ भोलु चिंता थोड़ि मुकी। भ्यागे केआं तेन किछ नेओथ खाओ त लम्मे सफरे बझई जुओई से सुआ थकी गो थिया। पता से ग्राँ जे वापस घेई गा। पुरी बथ से सोचण लगा कि अगर तेस पढ़ुण एन्तुथ त तेस अतु शरीरे, दमाके त रुपेई के नुकसान न भुन्ताथ। भोलु अपु पुराणि जिन्दगी हेर कइ हसुण लगो थिया त सोचुण लगा कि तेन्हि केईं कतो घट ग्यान असा। तेस गुरुजीए सोब बोके याद एण लगी कि पढ़ुण कतु जरुरी असु। ग्राँ पुजते ई तेनि स्कूल घेण शुरु कइ छउ त होरी जे बि स्कूल घेण जे बोलुण लगा। गुरुजी जिखेईं वापस आ त भोलु तेस जे सोब किछ बोल छउ त तेसे इज्जत की। अब मठे मठे स्कूल पढ़ने बाड़े बधण लगे। मठे मठे से ग्राँ लुखु पढ़ु भुण लगु। ए सोब हेर कइ गुरुजी सुआ खुशी भो थी।

गभुरो- पढ़ेई रोशनी, तूं अनपढ़ भुणे अन्हारु दूर कती, त तूं अगर बधण त तरक्की जे मदद कती।

विषय सूची

तुबारि मासिक पत्रिका

- तुबारि मासिक पत्रिका ई उम्मीद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।
- इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ु जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।
- तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।
- तुबारि पत्रिका कोई मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ई सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।
- छपाणे पेहले सोब आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेहलि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।
- आर्टिकल्स ना मिएलए या घाटि मेहणु के साथोट ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।
- कोई चीज छपां असी या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।
- अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालयए त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपु सझाव ओर अर्टिक्लस रखु जे सुविधा किओ असी।
- अस सोबी पांगी मेहणु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत ;पागवाड़ी अन्तर लिख कइ छपां जे हेंघे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

9418429574
9418329200
9418411199
9418904168
9459828290

दॉदिए अउं हिरो बाणता।
हे मैया, असु कि हाऊ लोची ईं।
बो गा घिक निरीयो घिन आई आठि कियां,
नता ते अउं दुई देती, पुली बाई
हेरे, एस मशेणु ईं, हिरो बाणतु।

पिंकी अपु बोउ जे – "बोउआ अब अस झठ अमीर बण घेन्ते।"

बोउ – "से कीं?"

पिंकी- "शुई हें हिसाबे मास्टर जी पैसी कैआं रुपेई बणाण शिचालता।"

मास्टर - "गभुरो, छतरी बणाण लिए की की समान लोता?"

गभुरु – "जी कागज त पैंसल।"

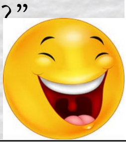

भग्यवान मेह्णु

सुआ धन्य असे से जेसे पाप माफ

भुओ असे, त जेसे गलती ढको असी।

सच्चे बि धन्य असे से मेह्णु जेन्के अधर्में परमेश्वर कोई लेखा जोखा ना नेन्ता, त जेसे मन अन्तर कोई कपट ना भुन्ता।

हाँ, जपल अउं चुप बिशा तपल दन भइ शिकोड़ कीढ़ कीढ़

में हलोटे गुड़ी गए।

जपल मेईं अपु पाप तें अगर माने त अपु अधर्म न नियोका,

होर बोलु, "अउं भगवाने समाणि अपु गलती मानि छता," तपल तेईं में अधर्म त पाप माफ कइ छड़े।

एस बझई जोई हर यक भक्त, तोउ जे ईं टेम प्रार्थना करे

जपल कि तु मेईं सकता।

तु में नियोकणे जगा भुओ, तु हर यक दुख तकलीफ केआं

में रक्षा कता। तु मोउं खुशी जुए भरो छुड़काणे बाड़ी घीती लोवान्ता।

होर ए भगवाना, तु बोता,

अउं तेन्धे बुद्धि देन्ता, त जेस बते बइ तें भलाई भुन्ति,

तेस पुठ तोउ हंटान्ता। त अउं तोउ पुठ कृपादृष्टि कता।

पर तु घोड़ी त खेच्चुरी के ईं ना बण, जे समझ न रखते। तेन्हि लगाम त रासे बइ रोकणी पड़ती, न त से वश अन्तर ना एन्ते।

विषय सूची